मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 234, मुंबई, शुक्रवार, 5 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
जब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

शुभ दिपावली

राउत बोले पेट्रोल-डीजल की कीमत 50 रुपये से नीचे लाने के लिए
भाजपा को हराना होगा

मुंबई। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती किए जाने के एक दिन बाद शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत 50 रुपये से भी नीचे लानी है तो भाजपा को पूरी तरह हराना होगा। राज्यसभा सदस्य राउत ने संवाददाताओं से बातचीत में केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि ईंधन की कीमत 100 रुपये से ऊपर बढ़ाने के लिए किसी को भी बहुत कठोर होना पड़ता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

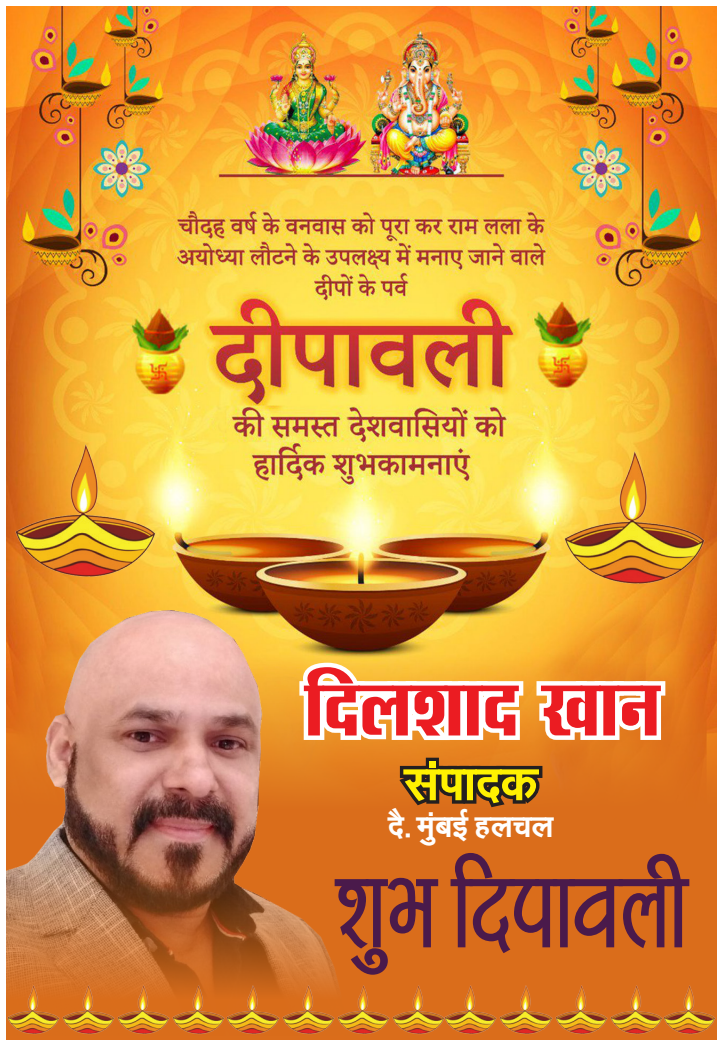

पर्यटन केंद्रों पर संपूर्ण टीकाकरण जरूरी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औरंगाबाद जैसे पर्यटन केंद्र पर आने वाले पर्यटकों का विश्वास बढ़ाने के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए। पीएम मोदी ने औरंगाबाद के जिला अधिकारी सुनील चव्हाण से बातचीत की। चव्हाण ने कहा कि जिले में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 100 फीसदी टीकाकरण किया जाएगा। बुधवार को पीएम मोदी ने कम टीकाकरण वाले जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सीधे बातचीत की। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार और देश के विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी ऑनलाइन शामिल हुए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

गडाख को मंत्री पद से हटाने की मांग

मुंबई। प्रदेश भाजपा ने मांग की है कि राज्य के जलसंधारण मंत्री शंकरराव गडाख को तत्काल उनके पद से हटाया जाए। पार्टी का आरोप है कि मंत्री के निजी सहायक के रूप में काम करने वाले युवक प्रतीक काले ने गडाख पर आरोप लगाने वाला वीडियो जारी करते हुए खुदकुशी कर ली है। ऐसे में इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मंत्री का पद से हटना जरूरी है। यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने यह मांग की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

'आतिशबाजी का धर्म से कोई नाता नहीं...'

गोपाल राय ने विपक्षी दलों से हाथ जोड़ की विनती राजनीति के लिए और मुद्दे हैं

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आतिशबाजी का धर्म से कोई नाता नहीं, जबकि यह लोगों के जीवन को जरूर प्रभावित करता है। राय ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि पटाखे जलाने को धर्म से जोड़कर विपक्षी दलों के कुछ नेता प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार की लड़ाई को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पटाखे जलाने का धर्म से कोई नाता नहीं है, लेकिन इससे लोगों का जीवन जरूर प्रभावित होता है। कुछ लोग राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करना चाहते हैं... मैं उनसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि दिल्ली के बच्चों तथा बुजुर्गों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ न करें। राजनीति करने के लिए कई मुद्दे हैं... कृपया लोगों को सांस लेने दें। राय ने कहा, ह्यदिवाली, दीयों का त्योहार है, पटाखे जलाने का नहीं। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में दीपावली से एक दिन पहले वायु गुणवत्ता पिछले पांच साल की तुलना में सबसे बेहतर है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हमारी रोशनी

दीपावली के दिन बच्चे जब दीये सजाते हैं, तो उनकी नजरें घर और दरवाजे पर छोटे से छोटे बचे-खुचे अंधेरों को भी खोजती हैं। जहां भी उन्हें कोई अंधेरा नजर आता है, वे दौड़कर दीया धर आते हैं और कुछ कदम पीछे हटकर देखते हैं कि अंधेरा गया या नहीं? जब घर में दो-चार बच्चे हों, तो उनमें हर्षपूर्ण होड़ लग जाती है कि कौन ज्यादा अंधेरे भगाएगा, कौन ज्यादा दीये रोशन करेगा? हमारा संविधान भी हम सभी नागरिकों से यही आशा करता है कि हम अपने आसपास के अंधेरों का अंत करें। खोज-खोजकर अंधेरा दूर करने और करवाने की जिम्मेदारी हम सभी नागरिकों पर है। दीपावली का त्योहार हमें वास्तव में प्रेरित करता है कि हम गरीबी, अभाव, गंदगी, रोग इत्यादि के खिलाफ सजग हों। अंधेरा किसी भी तरह का हो, कुछ लोगों के भगाए नहीं भागेगा, यह व्यक्ति, समाज, सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि अंधेरों को भगाने के लिए ही हम पंचायतों, स्थानीय निकायों, विधायकों और सांसदों का चुनाव करते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी सर्वाधिक है, क्योंकि वे अंधेरों को भगाने के वादे के साथ ही कुरसी पर बैठते हैं या सत्ता में आते हैं। अगर जन-प्रतिनिधियों की निगाह अंधेरों पर नहीं पड़ती है, तो अगली बार चुनाव में उनके यहां से सत्ता का उजाला ओझल हो जाता है। ऐसे लोग चुनकर आते हैं, जिन पर जनता को विश्वास होता है कि वे अंधेरा भगाएंगे। सोचकर देखिए, फूटे दीये कौन खरीदता है? ऐसा मिलावटी तेल दीयों में कौन भरना चाहता है, जो जलने में आना-कानी करें? एक-एक दीया, एक-एक बाती चुन-चुनकर ली और सजाई जाती है, तभी हमारी दीपावली साकार होती है। ठीक उसी तरह, लोकतंत्र में भी जन-प्रतिनिधि जब योग्यता के आधार पर चुने जाते हैं, तो वे अंधेरों पर टूट पड़ते हैं और खुशहाली के कर्णधार बन जाते हैं। आज देश में जो हमें तरक्की नजर आती है, उसमें अनेक अच्छे चुने गए नेताओं का हाथ है। जब हम आजाद हुए थे, तब हम भारतीयों का औसत जीवन 35 साल भी नहीं था, आज हम बहुत आसानी से 70 साल जीने लगे हैं। मतलब, आजादी मिलने के बाद विकास की जो रोशनी फैली है, उसे कोई नकार नहीं सकता। कभी अन्न का भी अभाव था, लेकिन शुरूआती दो दशकों में ही हमारी मेहनत रंग लाई और हम अभाव से बाहर आने लगे। अभाव के ज्यादातर अंधेरों से हम बहुत दूर आ गए हैं और यही वजह है कि देश का आम नागरिक भी लोकतंत्र पर गाढ़ा विश्वास करता है। दीपावली सुखद समीक्षा का भी समय है। रोशनी फैलाने के लिए सदा तैयार रहिए कि कोई अंधेरा बचने न पाए। भारत में यदि तमाम तरह की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषायी विविधताओं को कायम रखना है, तो लोकतंत्र से बेहतर व्यवस्था हो नहीं सकती। तो, हमें देखना होगा कि हमारे हिस्से का लोकतंत्र कितना रोशन है? यहां हमारी या जरूरतमंदों की आवाज कितनी सुनी जा रही है? हम बहुत बुरे दौर से गुजरे हैं, जब कोरोना महामारी का भयानक अंधेरा हम पर मंडरा रहा था, पिछले वर्ष हम मन मसोसकर दीपावली मना पाए थे। वह दौर फिर न आए, यह सुनिश्चित करना चाहिए। ठान लीजिए, शिक्षा-जागरूकता के दीये, परिश्रम के ईंधन, कुशलता की बाती और राष्ट्रप्रेम की अग्नि से हमें रोशनी का अनुपम साम्राज्य लाना है।

इस दीपावली ऐसे बांटें उजाला

हम किसी ब्रांड के आकर्षण में न फंसकर स्वदेशी यानी स्थानीय स्तर पर उत्पादित हो रही वस्तुओं को खरीदना व इस्तेमाल करना शुरू कर दें, तो न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि उसकी आत्मनिर्भरता का मार्ग भी प्रशस्त होगा...

हर घर, हर दर, बाहर, भीतर/नीचे ऊपर, हर जगह सुघर/कैसी उजियाली है पग-पग/जगमग जगमग जगमग जगमग!/छज्जों में, छत में, आले में/तुलसी के नन्हें थाले में/यह कौन रहा है दृग को ठग?/जगमग जगमग जगमग जगमग!/पर्वत में, नदियों, नहरों में/प्यारी प्यारी सी लहरों में/तैरते दीप कैसे भग-भग!/जगमग जगमग जगमग जगमग!/राजा के घर, कंगले के घर/हैं वही दीप सुंदर सुंदर!/दीवाली की श्री है पग-पग/जगमग जगमग जगमग जगमग! देश स्मृतिशेष सोहनलाल द्विवेदी के बनाये दीपावली के इस शब्द-चित्र को फिर साकार करने में व्यस्त है।

दीपावली को प्रकाश का पर्व जरूर कहा जाता है और निःसंदेह, वह उसका है भी। मगर उसे समग्रता से यानी धनतेरस से भैया दूज तक पर्वों के गुच्छे के रूप में देखें, तो वह जितना प्रकाश का पर्व है, उतना ही हमारे अंतर्मन की उजास और उल्लास का भी है तथा व्यापार-वाणिज्य, सुख-समृद्धि एवं शुभ-लाभ का भी। इसीलिए देश की अर्थव्यवस्था हो या किसी घर की, उसका त्योहारी मौसम दीपावली से ही शुरू होता है। इस बार वह इस त्योहारी मौसम से कुछ ज्यादा ही उम्मीद कर रही है क्योंकि भीषण कोरोना संक्रमण झेलने के बाद अब खुशियों के संक्रमण की जरूरत है।

हम इसमें अर्थव्यवस्था की मदद कर सकते हैं, अगर दीपावली की खरीदारियों से पहले अपनी भूमिका को ठीक से समझ लें। हमारे पुरखे इसे हमसे बेहतर समझते थे। इस बात को भी कि उजास, उल्लास, सुख और समृद्धि फैलाने और बांटने से ही बढ़ते हैं, अन्यथा नये अनर्थ गढ़ने लग जाते हैं। इसीलिए उन्होंने हमेशा शुभ-लाभ की ही कामना की यानी उतने ही लाभ की, जितना शुभ हो। दीप से दीप जलाने और उन्हें अगणित कर असंख्य घरों को रोशन करने की परंपरा भी उन्होंने डाली। मनीषियों की इस सीख को भी नहीं भूलना चाहिए कि उसमें जलनेवाला तेल किनके श्रम से पैदा हुआ है।

दीये का प्रकाश उन श्रमजीवियों की ही संतान है। इसी तरह भोजन करते समय उनके कल्याण की कामना करनी चाहिए, जिनके उपजाये अन्न व फल और दुहे दूध से भूख शांत होती है। यह प्रार्थना करनी चाहिए कि नदियां बहें और बादल बरसें। सारे पेड़-पौधे फूलें-फलें। उन सबकी समृद्धि में अपनी समृद्धि देखनी चाहिए, जिनके बुने कपड़े पहनते हैं, जिनके बनाये घरों में रहते हैं और जिनकी औषधियों से अपने स्वास्थ्य का संवर्धन करते है। कवि ने यह कह कर मनीषियों की इस सीख में नयी कड़ी जोड़ी है कि जलाओ दिये तो रहे ध्यान इतना, अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाये।

ऐसा कर हम ह्यसर्वे भवंतु सुखिनःह्ल की अपने पूर्वजों की अभीष्ट दिशा में बढ़ सकते हैं। इस दीपावली पर हमारे पास सेवा करने का एक अद्भुत मौका है। दीपावली की खरीदारी के लिए हम बाजार जाएं, तो उनकी उगायी और बनायी चीजें घर लायें और उनकी मार्फत खुशियां मनाएं। इससे न सिर्फ आपकी, बल्कि उनकी दीपावली भी शुभ होगी। यह संतोष भी हासिल होगा कि जो पूरे साल खुद चिंतित रह कर भी आपका इतना ख्याल रखते हैं, आपने भी दीपावली पर उनका थोड़ा ख्याल रखा।आपको याद होगा, कोरोना काल में लॉकडाउन के कारण हम संसार से कट गये थे और अनेक उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गयी थी, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'लोकल के लिए वोकल' यानी स्थानीय के लिए मुखर होकर उसे ग्लोबल यानी विश्वव्यापी बनाने का आह्वान किया था। अभी स्वदेश-निर्मित कोरोना टीकों से सौ करोड़ देशवासियों के टीकाकरण के बाद देश को संबोधित करते हुए भी उन्होंने ह्यमेड इन इंडियाह्ल को जनांदोलन बनाने और लोकल वस्तुएं खरीदने को अपनी आदत में शामिल करने को कहा था।

उनके इस आह्वान से बहुत लोगों को गुलामी के दौर का स्वदेशी आंदोलन याद आया। साल 1905 में जोर पकड़नेवाले उस आंदोलन का दृष्टिकोण यह था कि देश का उद्धार विदेशियों को दरकिनार कर भारतीयों द्वारा उत्पादन व निर्माण तथा भारतीयों द्वारा खरीद के रास्ते से ही संभव है। आजादी के बाद यह दृष्टिकोण बदल नहीं गया होता, तो प्रधानमंत्री को हमें उसकी याद दिलाने की जरूरत नहीं पड़ती।

लेकिन अभी भी देर नहीं हुई है। कोरोना के दौरान जिस तरह लोकल उत्पादों की अहमियत हमारी समझ में आयी और प्रधानमंत्री मोदी ने उनके लिए वोकल होने और लोकल उत्पादन व सप्लाई चेन को मजबूत बनाने पर जोर दिया, उसके मद्देनजर हम किसी ब्रांड के आकर्षण में न फंस कर स्वदेशी व स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं को खरीदना व इस्तेमाल करना शुरू कर दें, तो न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि उसकी आत्मनिर्भरता का मार्ग भी प्रशस्त होगा, जो किसी भी विपत्ति की घड़ी में हमारा अवलंब बनेगा।

साथ ही, देशवासियों के जीवन स्तर में सार्थक परिवर्तन भी होगा, खासकर उनके, जो विविध वस्तुएं बना और उगा कर या नाना सुविधाएं जुटा कर हमारा जीवनयापन सुगम बनाते हैं। उत्पादन निर्माण और विपणन का यह सिलसिला चल निकला, तो नौकरियों व रोजगारों की कमी को भी पूरा करेगा और अन्य देशों की कंपनियां पर निर्भरता घटायेगा और हम लोकल से ग्लोबल बनने का सपना देख पायेंगे। लेकिन यह सपना तभी पूरा होगा, जब प्रधानमंत्री मोदी अपने आह्वान को अपने नीतिगत निर्णयों के बल से भी बली करें। जबानी जमा खर्च तक सीमित रहकर तो यह किसी मंजिल तक पहुंचने से रहा!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रेम प्रसंग के चलते पति ने अपनी गर्भवती पत्नी को जिंदा जलाया

संवाददाता / समद खान

कलवा। रेलवे लाइन स्थित मफतलाल कंपनी से सटा हुआ परिसर की झोपड़पट्टी से एक दिल दहलाने वाला वारदात का मामला प्रकाश में आया है मामला यह बताया जा रहा है। झोपडपट्टी का निवासी अनिल चौरसिया अपनी पत्नी शोभावती के साथ इस झोपड़पट्टी में रहता था। वहीं दूसरी ओर डोंबिवली परिसर में इस अनिल चौरसिया का प्रेम प्रसंग निहारिका नामक युवती से चल गया और उसने चुपचाप शादी कर ली सुभावती को अपने पति पर शक तो था। लेकिन पर्याप्त सबूत नहीं थे। लेकिन करवाचौथ के दिन निहारिका ने अनिल चौरसिया के घर जाकर उसकी पत्नी को शादी की बात बता दी इसके बाद सुभावती में और अनिल चौरसिया में घर में लगातार विवाद बढ़ता चला गया और 31 अक्टूबर को इसी विवाद के चलते अनिल चौरसिया ने अपनी पत्नी सुभावती को केरोसिन डालकर जिंदा जला दिया। जबकि बताया जा रहा है शोभावती के पेट में 6 महीने का बच्चा पनप रहा था और उसकी भी गर्भ में मौत हो गई। कलवा पुलिस को इसकी जानकारी मिलते ही। उन्होंने आरोपी अनिल चौरसिया को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां पर न्यायालय ने उसे 4 नवंबर तक पुलिस हिरासत में रहने के आदेश दिए। आगे की कार्रवाई कलवा पुलिस कर रही है।

यूपी में पन्द्रह करोड़ कार्ड धारकों अब होली तक फ्री मिलेगा राशन सीएम योगी आदित्यनाथ

रिपोर्टर/अरमान उलहक, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मार्च दोहजार बाइस तक निशुल्क राशन देने की घोषणा की है अंत्योदय कार्ड धारकों को राशन में पैतीस किलो चावल गेहूँ के साथ साथ दाल सरसों का तेल और नमक भी दिया जायेगा अंत्योदय कार्ड धारकों को हर महीने चीनी भी मिलेगी।

यूपी के सीएम योगी ने यह ऐलान किया इस योजना से पन्द्रह करोड़ काल के दौरान प्रधानमंत्री गरीब राज्य सरकार ने अपनी तरफ से भी है प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण नवम्बर 2020 तक और फिर मई रहा है यानी अभी तक कुल बारह किया जा चुका है इसमें तीन किलो इसी योजना को राज्यसरकार अपने अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान लोगों को फायदा पहुँचेगा। कोरोना अन्न कल्याण योजना के अलावा निःशुल्क राशन वितरण किया योजना के तहत अप्रैल 2020 से 2021 से नवंबर तक दिया जा महीने निःशुल्क राशन वितरण गेहूँ दो किलो चावल दिया जाता है संसाधनों से मार्च 2022 तक चलाने की योजना बना रही है राज्यसरकार इसमें एक किलो दाल, एक लीटर तेल, और नमक का एक पैकेट जोड़ेगी। यूपी सरकार ने श्रमिक व प्रवासियों, मनरेगाकर्मियों समेत सभी कार्डधारकों के लिए बीते वर्ष योजना चलाई और 2020 में अप्रैल, मई जून में निःशुल्क राशन वितरण किया।

मुंब्रा रेलवे स्टेशन परिसर में टिकट काउंटर के पास मिल रही है नशीले कोरेक्स की बोतल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शहर का जागरूक नागरिक द्वारा बताया गया मुंब्रा रेलवे स्टेशन परिसर मैं टिकट काउंटर के पास एटीएम मशीन के पीछे से नशीली कोरेक्स की बोतले पाई गई। इस संदर्भ में उस व्यक्ति ने कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर में सिगरेट पी रहे। युवक के साथ आरपीएफ के जवान तो मारपीट कर रहे हैं। लेकिन क्या उन्हें पता नहीं उनके परिसर में टिकट काउंटर के एटीएम मशीन की पीछे नशीली कोरेक्स बोतले पाई जा रही है। इससे यह सिद्ध होता है कि रेलवे स्टेशन परिसर में नशे का मामला चल रहा है और इसी वजह से यह नशीली बोतलें यहां पाई जा रही हैं। उस व्यक्ति ने जानकारी देते हुए बताया मुंब्रा रेलवे स्टेशन परिसर के पास नशे का कारोबार बहुत हो रहा है। उसने यह निवेदन किया है रेलवे परिसर में चल रहे नशे के कारोबार को बंद किया जाए और करने वाले व्यक्तियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की

जाए क्योंकि यही नशा हमारे नौजवान नस्ल को और कम उम्र के युवकों की जिंदगी बर्बाद कर रहा है और उनके परिवार का विनाश का कारण बन गया है। तो हम रेलवे प्रशासन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजश्री अहीरे से निवेदन करते हैं कि कृपया इस मामले को सरलता से नहीं लेते हुए गंभीरता से पूरे मामले का संज्ञान ले और नशा का कारोबार आपकी रेलवे परिसर में करने वालों पर सख्त से सख्त कानून का शिकंजा कसे और उन्हें सलाखों के पीछे भेजें ताकि नौजवान कम उम्र के लड़कों जो नशे में लिप्त होकर अपनी जिंदगी के साथ-साथ अपने परिवार का भी विनाश का कारण बन रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

राउत बोले पेट्रोल-डीजल की कीमत 50 रुपये से ....

उन्होंने कहा, उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद केंद्र सरकार ने पेट्रोल की कीमत में पांच रुपये की कमी कर दी। अगर कीमत को 50 रुपये से नीचे लानी है तो भाजपा को पूरी तरह हराना होगा। शिवसेना नेता ने दावा किया कि लोगों को दिवाली मनाने के लिए कर्ज लेना पड़ा है और महंगाई की वजह से उत्सव का कोई माहौल नहीं है। सरकार ने आम लोगों को महंगाई से कुछ राहत देने के लिये बुधवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया। ईंधन के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद केंद्र ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये की कटौती की।

पर्यटन केंद्रों पर संपूर्ण टीकाकरण जरूरी.....

औरंगाबाद के कलेक्टर ने प्रधानमंत्री को बताया कि औरंगाबाद में 100 प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा करने वाले पहले 25 गांवों को विशेष निधि प्रदान की जाएगी। शहरी और ग्रामीण इलाकों में मेरा वार्ड सौ प्रतिशत टीकाकरण वार्ड और संतों की भूमि शत प्रतिशत टीकाकरण भूमि जैसे अलग-अलग प्रयोग से जल्द ही टीकाकरण पूरा कर लिया जाएगा। चव्हाण ने बताया कि राज्य में मिशन कवचकुंडल अभियान के जरिए टीकाकरण की गति को बढ़ाया गया है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मनोबल बढ़ाने के लिए मन में है विश्वास नाम से उपक्रम चलाया गया है। इसके जरिए आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न समुदायों के धर्मगुरुओं और सेना की मौजूदगी रहेगी। इस तरह का कार्यक्रम आगे भी व्यापक रूप से चलाया जाएगा। इसके पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विभागीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों की बैठक में राज्य में 30 नवंबर तक पहले डोज का शत-प्रतिशत टीकाकरण लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा था कि कोविड के मामलों में कमी आई है, लेकिन नागरिकों को जागरूक रहना होगा कि अभी कोविड पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। टीकाकरण के साथ-साथ, कोविड के अनुरूप आवश्यक व्यवहार करते रहने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। सिनेमाघर शुरू हो रहे हैं। प्रत्येक सिनेमाघर में टीकाकरण से संबंधित संदेश दिखाए जाने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि टीकाकरण अभियान में स्थानीय अधिकारियों का सहयोग लिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य कर्मचारियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए टीके की दोनों डोज लेना अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहाड़ी इलाकों में मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से टीकाकरण किया जाना चाहिए।

'आतिशबाजी का धर्म से कोई नाता नहीं...'

राष्ट्रीय राजधानी में अक्टूबर में औसतन वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) 173 थी, जो पिछले पांच साल की तुलना में सबसे कम थी। अक्टूबर महीने की औसत एक्यूआई, 2020 में 265, 2019 में 234, 2018 में 269 और 2017 में 284 थी। वहीं, केंद्र के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बताया कि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस मौसम में अब तक पराली जलाने की घटनाओं में 51 फीसदी से ज्यादा की कमी आई है। आयोग ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के जिलों में 8,575 स्थलों का निरीक्षण किया है और पराली जलाने के लिए लगभग 58 लाख रुपये का पर्यावरण जुमार्ना (कंपन्शेसन) लगाया गया है। उसने एक बयान में कहा, 'पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों और राजस्थान और दिल्ली में पराली जलाने की घटनाएं 2020 में 43,918 से घटकर 2021 में 15 सितंबर से दो नवंबर की अवधि के दौरान 21,364 हो गई हैं।' पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में पराली जलाए जाने के मामलों में 51.35 फीसदी की कमी आई है। इस साल 27 अक्टूबर से दो नवंबर के बीच, 2020 की इसी अवधि में 23,628 मामलों के मुकाबले केवल 12,853 मामले दर्ज किए गए हैं और इस तरह 10,775 (45.6 फीसदी) मामले कम दर्ज किए गए है।

गडाख को मंत्री पद से हटाने की मांग .....

उपाध्ये ने कहा कि बीते सप्ताह प्रतीक काले (27 वर्ष) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मौत से पहले प्रतीक काले ने एक वीडियो तैयार किया था, जिसमें उसने मंत्री शंकरराव गडाख सहित अनेक लोगों के नाम लिए थे। चूंकि यह उसका मृत्युपूर्व बयान है, ऐसे में इसकी जांच होना आवश्यक है। मंत्री गडाख सत्ता में रहते हुए जांच को प्रभावित कर सकते हैं, यह ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटा देना चाहिए। इसके पहले मुख्यमंत्री ने शिवसेना के एक मंत्री से एक युवा लड़की की आत्महत्या प्रकरण में इस्तीफा ले लिया था। उपाध्ये ने कहा कि प्रतीक काले शंकरराव गडाख का निजी सहायक था। आत्महत्या करने से पहले उसने एक ऑडियो-वीडियो क्लीप में शंकरराव गडाख, उनकी पत्नी और भाई के नाम का उल्लेख किया था। उसने शिकायत की थी कि गडाख परिवार उस पर अत्याचार कर रहा है।

WALIV'S LUXURIOUS PROJECT WITH LIFESTYLE AMENITIES

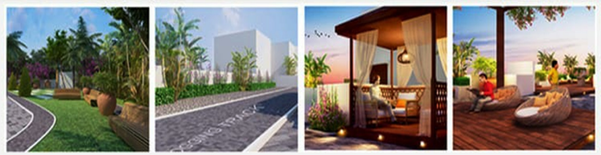

Mariyam Heritage

VASAI EAST

Strategic Location & Easy Accessibility

Hospitals : Vaswadevi Multispeciality - 800m, Metropolis Healthcare - 900m

Banks : Abhyudaya Co-op Bank - 500m, Federal Bank - 600m

Schools : Ludhani Vidyamandir - 700m, Fr. Angel School - 800m

Rastuarants : Hotel Shalimar - 300m, Hotel Regency - 900m

Entertainments : Carnival Cinema - 4.2km, Dream The Mall - 4.2km

Accessibility : Vasai E Railway Station - 8 km, Highway NH8 - 1.6km

STARTING FROM 31.35 LACS*

THIS SCHEME ALSO AVAILABLE

DOWNPAYMENT 5%

NO EMI TILL POSSESSION*

APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

VASAI (E) FOR MORE DETAILS CONTACT +91 8291669848

SITE ADD : MARIYAM HERITAGE. NEXT TO SANIYA CITY. BEHIND SHALIMAR HOTEL. WALIV. VASAI ROAD (E)

अल फलाह सोसाइटी ने धनतेरस पर मलिन बस्ती में स्टडी किट, बिस्किट वितरित किए

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अल फलाह एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी जिला यूथ विंग के तत्वधान में मलिन बस्ती मोहद्दीपुर एवं घोषिपुरवा के बच्चों को धनतेरस के अवसर पर लंच बॉक्स, पेंसिल बॉक्स, राइटिंग किट, बिस्कुट एवम, चॉकलेट आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी बाबू खान ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा हैं ऐसे बच्चो की मदद एक सराहनीय कार्य हैं। संस्था भलि भांति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है इसके लिए संस्था के पधाधिकारी एवम सदस्य बधाई के पात्र है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय क्रांतिसंघ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि संस्था जरूरत मंदो एवम असहायों के साथ हमेशा खड़ी रहती हैं। संस्था के स्वम सेवको द्वारा ब्लड डोनेशन, बच्चो की शिक्षा मे सहायता, युवतियों एवम महिलाओं को रोजगार परक परीक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य करती हैं यह तारीफ के काबिल काम है! विशेष अतिथि राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिया कुमारी ने कहा कि मानवता एवम प्रेम ही संसार का सबसे बड़ा धर्म है इसके बिना एक खुशहाल समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। समाज के लोगो को चाहिए कि संस्था द्वारा किए जा रहे इन कार्यों में अपना सहयोग अवश्य करें। संस्था के संस्थापक सचिव अफरोज अहमद ने कहा कि इस बस्ती के बच्चे स्कूली शिक्षा प्राप्त कर एक दिन परिवार का नाम रोशन करेंगे और देश की प्रगति एवम उन्नति में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम समाजसेवी संजय विश्वकर्मा, सूरज सिंह एवम इमरान सिद्दीकी के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूथ विंग के अध्यक्ष आमिर हुसैन महसचिव परवेज अहमद मीडिया प्रभारी शिव जतन एवम अन्न पदाधिकारियों ने अपना योगदान दिया कार्यक्रम में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर प्रदेश सचिव अमित जयसवाल यूथ विंग गोरखपुर शहर के उपाध्यक्ष सरफराज आलम महिला विंग की प्रतिभा पाण्डेय एजुकेशनल विंग के गोविंद मिश्रा समाज सेवी मुकेश जोशी आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिया कुमारी शुक्ला ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है!

टर्टल वैक्स इंडिया ने भारत की पहली मॉडर्न क्लासिक कार रैली का समापन किया

मुंबई। शिकागो स्थित कार केयर कंपनी, टर्टल वैक्स, इंक. ने आज सोफिटेल बीकेसी, मुंबई में मॉडर्न क्लासिक्स को समर्पित भारत में पहली कार रैली का समापन किया। ऑटोकार इंडिया और शमन वंगटाइमर्स के सहयोग से, मॉडर्न क्लासिक रैली 2021 में 50 से अधिक सुव्यवस्थित रखरखाव वाली कारें दिखाई गईं। एक मॉडर्न क्लासिक एक ऐसी कार है जो आमतौर पर दस से 30 साल के बीच होती है और इस श्रेणी में कृप से लेकर एसयूवी और सीमित-संस्करण सुपरकार तक कई तरह की बॉडी स्टाइल शामिल हैं। मॉडर्न क्लासिक्स विशेष रूप से पसंद किए जाते हैं क्योंकि उनके पास पुराने स्कूल इंजीनियरिंग और (लगभग) मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक परिशुद्धता का एक सुंदर मिश्रण है। पिछले आधे दशक में, अंतरराष्ट्रीय रुझानों के अनुरूप, मॉडर्न क्लासिक्स भारत में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। मसेडीज डब्लू123 और माजदा मिता एमएक्स-5 जैसी कारों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। और भारत के महानगरों में शीर्ष पुनर्स्थापक अब ऐसे कई उदाहरणों पर तेजी से काम कर रहे हैं। मॉडर्न क्लासिक रैली 2021 देश के कार उत्साही लोगों के बीच इन कारों की बढ़ती जागरूकता और प्रमुखता और उनकी कई विशेषताओं का उत्सव दोनों का प्रतिबिंब है। रैली में भाग लेने वाली कारों में विवेक गोयनका की जगुआर ई-टाइप, मैसेराटिस की एक जोड़ी, एक बीएमडब्ल्यू ई30 जो कभी जहाँगीर निकोलसन की थी, कुछ मर्सिडीज-बेंज एसएल, डॉज वाइपर, फेरारी 348, होंडा एनएसएक्स, माजदा मिता थी। टोयोटा सुप्रा, एस्टन मार्टिन डीबीएस, अल्फा रोमियो बर्लिना 2000, सिट्रोएन डीएस, मासेराती बिटुर्बो आदि भाग लेने वाली कारें बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर एक काफिले में चलीं और सोफिटेल बीकेसी लौट गईं। कारों के शानदार वर्गीकरण के अलावा, टाइटल स्पॉन्सर टर्टल वैक्स ने कार केयर उत्पादों पर एक प्रदर्शन किया कि कैसे इन प्रतिष्ठित कारों की रक्षा की जाए जो पुराने स्कूल इंजीनियरिंग और आधुनिक प्रदर्शन मानक का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिसे इस कार्यक्रम में मौजूद कार मालिकों द्वारा बेहद सराहा गया। इस मौके पर श्री साजन मुरली पुरवंगारा, प्रबंध निदेशक, टर्टल वैक्स इंडिया ने कहा मॉडर्न क्लासिक्स के प्यार ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और यहां भारत में एक मूवमेंट का रूप ले लिया है । एक पुरस्कार विजेता, अभिनव ब्रांड के रूप में, जो ऑटो संस्कृति की सांस लेता है, हमें इस मूवमेंट का हिस्सा बनने पर गर्व है। मॉडर्न क्लासिक्स एक शौक से कहीं अधिक हैं - वे जीवन का एक तरीका हैं। वे समुदायों के बारे में हैं। मॉडर्न क्लासिक रैली के क्यूरेटर पर्सिवस बांद्रावाला ने कहा, आप मॉडर्न क्लासिक स्वामित्व में नहीं खरीदते हैं, इसके बजाय, आप जीवन शैली में खरीदते हैं। मॉडर्न क्लासिक रैली 2021 में अनिवार्य कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

त्रिपुरा दंगे में क्षतिग्रस्त मस्जिदों, दुकानों और मकानों का पुनः निर्माण कराएगी जमीयत उलमा ए हिंद

जमीअत उलमा हिंद की फैक्ट फाइंटिंग टीम दंगा प्रभावित इलाकों के दौरे पर हैं

संवाददाता / सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली, त्रिपुरा। अध्यक्ष जमीअत उलमा हिंद मौलाना महमूद मदनी ने प्रश्न किया कि त्रिपुरा के एक जुलूस में पैगंबर इस्लाम सल्लल्लाहो सल्लम का अपमान किया गया। इस पर सरकार खामोश क्यों है? सरकार का ये व्यवहार देश में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा स्थापित रखने में कड़ी चुनौती बन सकता है। नई दिल्ली मे 30 अक्टूबर 2021 को जमीयत उलमा ए हिंद का एक फैक्ट फाइंटिंग प्रतिनिधिमंडल मौलाना हकीमुद्दीन कासमी महासचिव जमीयत उलमा ए हिंद के नेतृत्व में त्रिपुरा पहुंचा जो दंगा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर है प्रतिनिधिमंडल के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह दंगा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और स्वयं प्रभावित मस्जिदों और मुसलमानों की बस्तियों का आंकलन करे और उनके तथ्यों को जमा करके असली सच्चाई को सामने लाए। क्योंकि वर्तमान में ही त्रिपुरा के डीजीपी ने मस्जिद में आगजनी आदि की घटनाओं को फर्जी बताया था इसलिए जमीयत उलमा ए हिंद के प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले नरोरा टीला का दौरा किया। नरोरा टीला ज़िला सिपाही जाला त्रिपुरा में स्थित है जो राजधानी अगरतला से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 23 अक्टूबर 2021 को दंगाइयों ने रात्रि लगभग 10 बजे इस मस्जिद में आगजनी की और यह सिलसिला लगातार 9 दिन जारी रहा प्रतिनिधि मंडल ने यहां पहुंचकर स्थानीय लोगों से बातचीत की तो पता चला कि इस गांव में 45 घर मुसलमानों के और 200 घर गैरमुस्लिम के हैं। हिंदू मुस्लिम में एकता है लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने बाहर से आकर मस्जिद का अपमान किया और आपसी एकता को हानि पहुंचाई। इस अवसर पर मौलाना हकीमुद्दीन कासमी महासचिव जमीअत उलमा ए हिंद ने लोगों को सांत्वना देते हुए कहा कि सब पूरे धैर्य के साथ अपना जीवन यापन करें। मौलाना ने यह भी घोषणा की कि यहां जिन मस्जिदों, दुकानों और मकानों को हानि पहुंचाई गई है जमीयत उनके पुनर्निर्माण व मरम्मत का कार्य करेगी इसके बाद प्रतिनिधिमंडल अगरतला कृष्णानगर मस्जिद पहुंचा जहां दंगाइयों ने 2 दिन तक अजान और नमाज नहीं होने दी और मस्जिद की को हानि पहुंचाई। इसके बाद अगरतला चंद्रा मस्जिद का भी निरीक्षण किया, यहां दंगाइयों ने सुअर का मांस फेंका। दंगाइयों से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र का अभी दौरा नहीं हुआ है पुलिस प्रशासन से परमिशन लेने के बाद दौरा किया जाएगा। त्रिपुरा की वर्तमान स्थिति और वहां के डीजीपी के माध्यम से मस्जिदों की आगजनी की घटनाओं को फेक न्यूज बताने पर अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए जमीअत उलमा ए हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीयत न अफवाहों पर विश्वास रखती है और न अफवाह फैलाने वालों का साहस बढ़ाती है, इसलिए इन हालात में हमने एक फैक्ट फाइंटिंग कमेटी त्रिपुरा भेजी है जो प्रभावित स्थानों का स्वयं आंकलन करेगी। और वहां के फोटोग्राफ और दूसरे तथ्य प्राप्त करके देश की मीडिया और सरकार के कुछ अधिकारियों के सामने पेश किया जाएगा और जहां आवश्यकता होगी वहां कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौलाना मदनी ने अपना रोष प्रकट करते हुए कहा कि त्रिपुरा में एक जुलूस निकाला गया जिसमें सरकार दो आलम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की शान में खुल्लम-खुल्ला अपशब्द और नारेबाजी की गई। इसके बारे में सरकार अपना इष्टिकोण क्यों स्पष्ट नहीं करती और ऐसे लोगों के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई-? मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि मुसलमान हर परेशानी व पीड़ा को बर्दाश्त कर सकता है, लेकिन वह अपने रसूल का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस तरह की घटनाओं पर अगर तुरंत सख़्त एक्शन नहीं लिया गया तो फिर जन स्तर पर जो प्रतिक्रिया होगी वह देश में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा स्थापित रखने में बहुत बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसी रैली जुलूस देश विरोधी तत्वों के माध्यम से देश के खिलाफ सबसे बड़ा हथकंडा भी बन सकता है इसलिए सरकार को इस सिलसिले में हरगिज कोई ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। यह समस्या सिर्फ मुसलमानों के विचारों की नहीं बल्कि देश की एकता और सुरक्षा की भी है और इसे देश की सुरक्षा के इष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। मौलाना मदनी ने त्रिपुरा की जनता से अपील की कि वह भय -आतंक तथा निराशा से ग्रसित न हों। हमें पूरा विश्वास है कि देश का न्याय प्रिय और जागरूक वर्ग बिना किसी भेदभाव के, ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए आगे आएगा।अगरतला के दौरे पर जो जमीअत उलमा ए हिंद का प्रतिनिधिमंडल गया है उसमें मौलाना हकीमुद्दीन कासमी, महासचिव, जमीअत उलमा ए हिंद के अलावा मौलाना गय्यूर अहमद कासमी, ऑगनाइजर जमीयत उलमा ए हिंद, मौलाना मोहम्मद वासीन जहाजी, ऑगनाइजर जमीअत उलमा ए हिंद और त्रिपुरा राज्य से अध्यक्ष जमीयत उलमा त्रिपुरा, मुफ्ती अब्दुल मोमिन, मौलाना सिराजुद्दीन अहमद ऑफिस सेक्रेटरी जमीयत उलमा त्रिपुरा, मौलाना डॉक्टर जाकिर हुसैन, प्रेस सेक्रेटरी जमीअत उलमा त्रिपुरा, मौलाना कमाल हुसैन अध्यक्ष जमीयत उलेमा जिला विशालगढ़ व इमाम मस्जिद नरोरा टीला मौलाना अनीसउररहमान सचिव जमीयत उलमा जिला विशालगढ़ शामिल हैं।

AL HOOKAH

SHEESHA & FLAVOUR

Hookah Pot Starting Rs.499

All Flavours Rs.99

All Types of Hookah Flavours & Accessories Available

FREE HOME DELIVERY

Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

7900061017 / 8652068644 / 8591456564

दुपहिया वाहन चलाने वाले मनचलों की अधिक्तर भरमार हैं

संवाददाता/नदीम अख्तर टाण्डा रामपुर। 4 नवम्बर 2021,नगर के मुख्य मार्ग पर दुपहिया वाहन चलाने वाले मनचलों की अधिक्तर भरमार हैं दुउपहिया वाहनों चार चार युवक अपने मनचले अन्दाज में घूमते नजर आते हैं न तो विभागीय स्तर पर उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जाती हैं और न ही पुलिस विभाग द्वारा उनको अपनी पकड़ में लिया जाता हैं जबकि पुलिस विभाग डयूटी लगातार मैन चौराहे पर लगी रहती हैं। दुपहिया वाहनों पर मनचले अपने अन्दाज में वाहनो का आवागमन करते तेज होर्न तथा बिना हेल्मेट का दुर्पयोग करते हैं। लापरवाही के चलते कोई भी बड़ा हादसा होने का खतरा मन्डराता रहता हैं। उसके उपरान्त भी मनचले अपनी हरकतो से बाज नहीं आ रहे हैं आये दिन गम्भीर तरह की दुर्घटनाऐं भी होती नजर आती हैं फिर भी विभागीय एवं पुलिस स्तर पर कोई रोक तक नहीं लग पा रही हैं। खुलैआम ध्वनि प्रदूषण का भी दुउर्पयोग किया जा रहा हैं जिस पर रोक लग पाना टे-ढी खीर साबित हो पा रहा है यातायात नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

काशी में दीपावली पर मुस्लिम महिलाओं ने उतारी श्रीराम की आरती

'सबके राम' का दिया संदेश

वाराणसी। विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला फाउंडेशन ने लमही के सुभाष भवन में श्रीराम की महाआरती का आयोजन किया। इस दौरान धर्म के नाम पर नफरत नहीं फैलाने का संकल्प भी लिया।

काशी को आध्यात्मिक नगरी माना जाता है। यहां के आयोजन अपने आप में खास होते हैं। दिवाली के मौके पर मुस्लिम महिलाओं ने प्रभु श्रीराम की आरती उतारकर लोगों को साथ रहने का संदेश दिया। विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला फाउंडेशन ने लमही के सुभाष भवन में श्रीराम की महाआरती का आयोजन किया। इस दौरान धर्म के नाम पर नफरत नहीं फैलाने का संकल्प भी लिया।

15 सालों से श्रीराम की महाआरती जारी

दरअसल, विशाल भारत संस्थान और मुस्लिम महिला फाउंडेशन लगातार 15 सालों से श्रीराम की महाआरती करता आ रहा है। दीपावली के शुभ मौके पर अयोध्या और काशी दोनों स्थानों पर भव्य आयोजन किया गया।

इस दौरान 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश भी दिया जाता है। सबसे खास बात यह है तमाम धमकियों के बावजूद मुस्लिम महिलाओं ने प्रभु श्रीराम की महाआरती करके सांप्रदायिक ताकतों को करारा जवाब दिया है। इस दौरान उर्दू में लिखी श्रीराम प्रार्थना और श्रीराम आरती गाकर मुस्लिम महिलाओं ने महाआरती की।

जय सियाराम का उद्घोष और कीर्तन

मुस्लिम महिलाओं ने दीपक जलाए और फुलझड़ी जलाकर संदेश दिया कि भारत भूमि पर रहने वाले सभी भारतवासी सांस्कृतिक रूप से एक हैं। क्योंकि, सबके पूर्वज एक ही थे। इसके पहले श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या की पवित्र मिट्टी के कलश को मुस्लिम महिलाओं ने अपने सिर पर रखकर पूजा स्थल तक लाया। इसके बाद मुस्लिम महिलाओं ने जय सियाराम का उद्घोष किया और राम नाम का कीर्तन भी किया।

'सबके राम, सब में राम' का संदेश दिया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास महाराज ने मुस्लिम महिलाओं के साथ श्रीराम आरती गाकर धर्म के भेद को खत्म किया। उन्होंने 'सबके राम, सब में राम' का संदेश भी दिया। श्रीराम महाआरती में अर्चना भारतवंशी, डॉ। मृदुला जायसवाल, नगीना बानो, शबनम, सबीना, नाजिया, नजराना, नगीना, शम्सुनिशा, नाजमा, सैमुननिशा, मुन्नी, जुबैदा, शहजादी समेत अन्य मौजूद थे।

अखिल भारतीय रंगरेज एकतामंच का राष्ट्रीय रंगरेज मिलन समोराह सात नवंबर को भीलवाड़ा राजस्थान में होगा

रिपोर्टर/अरमान उलहक

लखनऊ। अखिल भारतीय रंगरेज एकता मंच की प्रबंध समिति के सदस्य गण दिनाँक सात नवंबर 2021 को ग्राम पुर जनपद भीलवाड़ा राजस्थान में आयोजित होने वाले रंगरेज मिलन समारोह मे शिरकत करेंगे जिसमे रंगरेज समाज की तरक्की उन्नति और खुशहाली के लिए रंगरेज समाज के सम्मानित लोग अपने विचार रखेंगे रंगरेज मिलन समारोह में भारत के विभिन्न प्रान्तों व जनपदों से रंगरेज बिरादरी के सामाजिक राजनीतिक लोग इस प्रोग्राम में शिरकत करेंगें।प्रोग्राम में शामिल होने वालों में अखिल भारतीय रंगरेज एकता मंच के संस्थापक जनाब डॉ मोहम्मद इकबाल रंगरेज साहब,दिल्ली से बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र के उपविजेता दिल्ली के वरिष्ठ कॉग्रेसी नेता जनाब हाजी दिलशाद अहमद साहब,मुस्लिम एडवाइजरी सलाहकार बोर्ड दिल्ली सरकार के सदस्य जनाब डॉ. नसीर अहमद साहब प्रसिद्ध लोकतंत्र सेनानी जनाब डॉ इस्लाम अहमद फारुकी साहब कासगंज यूपी ,जनाब मास्टर शफीक अहमद साहब,प्रवक्ता व पत्रकार रियाज खान रंगरेज सहित रंगरेज बिरादरी के राजनीतिक प्रशासनिक अधिकारी भाग लेंगे यह जानकारी अखिल भारतीय रंगरेज एकता मंच के संस्थापक सदस्य व राष्ट्रीय संयोजक इकबाल अहमद रंगरेज द्वारा दी गयी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की घोषणा

यूपी में पन्द्रह करोड़ कार्ड धारकों अब होली तक फ्री मिलेगा राशन

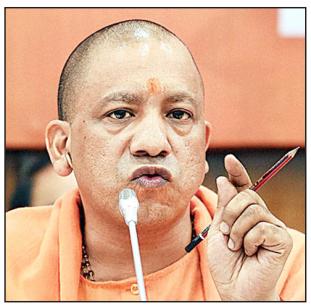

रिपोर्टर/अरमान उलहक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मार्च दोहजार बाइस तक निशुल्क राशन देने की घोषणा की है अंत्योदय कार्ड धारकों को राशन में पैतीस किलो चावल गेहूँ के साथ साथ दाल सरसों का तेल और नमक भी दिया जायेगा अंत्योदय कार्ड धारकों को हर महीने चीनी भी मिलेगी।यूपी के सीएम योगी ने यह ऐलान अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान किया इस योजना से पन्द्रह करोड़ लोगों को फायदा पहुँचेगा ।

कोरोना काल के दौरान प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के अलावा राज्य सरकार ने अपनी तरफ से भी निःशुल्क राशन वितरण किया है प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत अप्रैल 2020 से नवम्बर 2020 तक और फिर मई 2021 से नवंबर तक दिया जा रहा है यानी अभी तक कुल बारह महीने निःशुल्क राशन वितरण किया जा चुका है इसमें तीन किलो गेहूँ दो किलो चावल दिया जाता है इसी योजना को राज्यसरकार अपने संसाधनों से मार्च 2022 तक चलाने की योजना बना रही है राज्यसरकार इसमें एक किलो दाल, एक लीटर तेल,और नमक का एक पैकेट जोड़ेगी। यूपी सरकार ने श्रमिक व प्रवासियों,मनरेगाकर्मियों समेत सभी कार्डधारकों के लिए बीते वर्ष योजना चलाई और 2020 में अप्रैल,मई जून में निःशुल्क राशन वितरण किया।

मुंबई का जियो ड्राइव इन थियेटर दीपावली के बाद पाँच नवंबर से दर्शकों के लिए खुलेगा

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली। मुंबई का जियो ड्राइव इन थियेटर दीपावली के बाद पाँच नवंबर से अक्षय कुमार की फिल्म (सूर्यवंशी)के साथ खुलने जा रहा है ।यहाँ दर्शक अपने अपनी कार में खुली हवा में छत पर बैठकर आधुनिक तकनीक के साथ फिल्म का मजा ले सकते हैं।290 कारों की क्षमता :मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित जियो वर्ल्ड ड्राइव में स्थित जियो ड्राइव इन थियेटर में 290 कारों के खड़े होने की क्षमता है।पीवीआर लिमिटेड के प्रबंधन वाला यह ड्राइव इन थियेटर पाँच नवंबर को शुरू होगा।

जियो वर्ल्ड ड्राइव के सीईओ दर्शन मेहता ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण एक साल से अधिक समय तक घरों में कैद रहने के बाद बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेना चाह रहे दर्शकों के लिए यह उम्मीद के मुताबिक सुरक्षित विकल्प होगा।

दिवाली पूजा से पहले चेहरे पर लगाएं ये चीजें, आएगा इंस्टेंट ग्लो

दिवाली पूजा पर हर कोई खूबसूरत और ग्लोइंग दिखने की कोशिश करता है, ऐसे में लोग पहले से ही पार्लर जाना शुरू कर देते हैं। लेकिन अगर आपको इस बार पार्लर जाने का समय नहीं मिला है तो आप घर में कुछ चीजों को बना कर चेहरे पर लगा सकते हैं। इसे लगाने के बाद से स्किन तो ग्लो करने लगेगी साथ ही आपके काफी रुपये भी बच सकते हैं। अच्छा दिखने के लिए स्किन की केयर करना बहुत जरूरी है। क्योंकि दिवाली से पहले हर कोई घर की सफाई करता है तो स्किन पर मुंहासे या दाने की समस्या हो ही जाती है। साथ ही बाजार से शॉपिंग करते करते शरीर थक जाता है, ऐसे में ये थकावट आपके चेहरे पर खूब दिखाई देती है। तो चलिए जानते हैं घर में कैसे तैयार किया जाए अलग-अलग तरह के फेस पैक या फिर उबटन।

1) उड़द की दाल

स्किन ब्राइटनिंग के लिए दादी-नानी का ये फेवरेट नुस्खा है! इससे बना फेस पैक स्किन को निखारने में बखूबी काम करता है। इसके लिए आपको एक चम्मच उड़द की दाल को कच्चे दूध में भिगो दें। फिर कुछ देर बाद इसका पेस्ट बनाएं। इसमें गुलाब जल मिलाएं और फिर अपने चेहरे पर लगाएं। जब ये पैक अच्छे से सूख जाएं तो हाथों की मदद से इसे रगड़ते हुए हटाएं। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

2) मलाई

दूध से निकली फ्रेश मलाई स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। ये दाग धब्बों को साफ करने में मदद करती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच मलाई में गुलाबजल मिलाएं। फिर हल्दी की ताजी गांठ पीसकर मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाएं, सूखने के बाद हल्के हाथों से मसाज करें। फिर पानी से चेहरे को साफ करें।

पटाखे से जल जाए हाथ तो तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय

दिवाली पर पटाखे जलाते समय अक्सर हादसे हो जाते हैं। कई बार तो अस्पताल भागने तक की नौबत आ जाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि दीपावली के दिन बच्चे हो या बड़े पटाखे जलाते समय अक्सर अति उत्साह में सावधानियां बरतना भूल जाते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर पटाखे जलाते समय यदि किसी व्यक्ति का हाथ या पैर जल जाए तो उसे प्राथमिक उपचार के तौर पर डॉक्टर के पास ले जाने से पहले क्या उपाय अपनाने चाहिए।

पटाखे जलाते समय बरतें ये सावधानी

-पटाखे जलाने वाले स्थान पर पानी की एक बाल्टी और रेत साथ रखें।
-पटाखे जलाते समय सिंथेटिक और नायलॉन के कपड़े न पहनें।
-पटाखे जलाते समय यदि आग लग गई हो और वह बढ़ती जा रही हो तो रेत डालकर आग बुझाएं।
-कभी भी फटने वाले पटाखों को हाथ में पकड़ कर आग न लगाएं।

पटाखे से जलने पर अपनाएं ये घरेलू उपाय...

ठंडा पानी

अक्सर लोग पटाखे से हाथ या पैर जलने पर उस पर बर्फ लगा देते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें, ऐसा करने से खून का थक्का जम सकता है। किसी ज्वलनशील पदार्थ या पटाखे से हाथ पैर जलने पर तुरंत उस पर ठंडा पानी डालें या हाथ और पैर को ठंडे पाने में डुबो दें। ऐसा करने से घाव वाली जगह पर आराम मिलता है।

तुलसी का रस

पटाखे से जलने पर उस जगह तुलसी का रस लगा सकते हैं। ऐसा करने से जली हुई जगह पर ठंडक मिलने के साथ जलन कम महसूस होती है। इसके अलावा जले का निशान भी गायब हो जाता है।

नारियल तेल

नारियल का तेल ठंडा होता है। प्राथमिक उपचार के तौर पर इसे जली हुई जगह पर लगाने से जलन में आराम मिलता है।

रुई नहीं लगाएं

जली हुई जगह पर कभी भी रूई नहीं लगानी चाहिए। वरना रूई घाव पर चिपककर दर्द और जलन का कारण बनेगी। घाव को खुला छोड़ दें और जरूरत महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर